TheHitavada

Jabalpur City Line | 2019-10-01 | Page- 4

routes to reach destination. (PTI by Anil Tiwari)

# Training programme for MPPGCL officers begins at TFRI

■ Staff Reporter

THE two-day training programme on 'Carbon Sequestration by Industrial Plantations' for officers of Madhya Pradesh Power Generating Company Limited (MPPGCL) was inaugurated at Tropical Forest Research Institute (TFRI) on Monday.

The training will aid officers of different units of MPPGCL to raise plantations for maximizing carbon sequestration from the atmosphere and control fugitive dust emission from fly-ash lagoons of thermal power plants. It will provide an overview of impact and mitigation measures of environmental pollution caused during power generation at thermal power plants.

Dr. G. Rajeshwar Rao (ARS), Director TFRI, welcomed the participants and emphasized on the subject's importance under India's Nationally Determined Contributions (NDC) for emission reductions. Highlighting over large contribution of greenhouse gases by thermal power stations, he accentuated on the responsibility of the industries to reduce greenhouse gas (GHG) emissions and contribute through plantations to maximise carbon sequestration by trees outside forests (TOF).

Dignitaries during inaugural session of training on carbon sequestration at TFRI, Jabalpur.

Emphasizing on the role of energy sector and increase in demand of electricity for the country's progress, Dr Avinash Jain, Scientist and Training Coordinator, provided overview and importance of the training for the officers of MPPGCL. He briefed about global scenario of increasing emission of greenhouse gases and significant contribution of energy sector in the same.

Y K Shilpkar, Chief Engineer MPPGCL and Chief Guest of the inaugural session expressed his gratitude towards TFRI and briefed about the national scenario of energy consumption. He also talked about the quality and quantity of coal consumed in production of electricity by MPPGCL thermal power stations and its impact on human and environmental health.

Around 20 engineers and officers from various units of MPPGCL, Jabalpur; SSTPP, Khandwa; STPS, Sarni; SGTPS, Barsinhgpur and ATPOS, Chachai are participating in the training programme. C Behera (IFS), Group Coordinator Research, Dr Fatima Shirin, M Rajkumar, Dheeraj Gupta were also present at the event along with other scientists and officers of the institute.

Citybhaskar CITY ACTIVITY जबलपुर, मंगलवार, 01 अक्टूबर 2019 . 04

# थर्मल पावर प्लांट्स में कम करेंगे प्रदूषण

जबलपुर।
उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान टीएफआरआई जबलपुर में मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के अधिकारियों के लिए इंडस्ट्रियल प्लांटेशन बाय कार्बन अवशोषण पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। प्रशिक्षण में विभिन्न इकाइयों के अधिकारियों को वृक्षारोपण और थर्मल पावर प्लांट्स के फ्लाईएश संग्रहण, तालाबों से कोयले की राख के उत्सर्जन को नियंत्रित करने के बारे में बताया जाएगा। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम थर्मल पावर प्लांट में बिजली उत्पादन के दौरान होने वाले पर्यावरण प्रदूषण के प्रभाव को कम करने में सहायक सिद्ध होगा। डॉ. जी राजेश्वर राव, निदेशक टीएफआरआई ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और उत्सर्जन में कमी के लिए भारत के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान के महत्व पर जोर दिया। थर्मल पावर स्टेशनों द्वारा बड़ी मात्रा में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन के बारे में प्रकाश डालते हुएए उन्होंने उद्योगों द्वारा जंगलों के बाहर लगाए गए वृक्षों से अधिकतम कार्बन अवशोषण करने की बात कही। डॉ. अविनाश जैन, वैज्ञानिक और प्रशिक्षण समन्वयक ने अधिकारियों को प्रशिक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने ग्रीनहाउस गैसों के बढ़ते उत्सर्जन और ऊर्जा क्षेत्र के महत्वपूर्ण योगदान के वैश्विक परिदृश्य के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वायके शिल्पकार, मुख्य अभियंता थे। संस्थान के अन्य वैज्ञानिकों और अधिकारियों के साथ सी बेहरा, समन्वयक अनुसंधान डॉ. फातिमा शिरीन, एम राजकुमार व धीरज गुप्ता भी उपस्थित थे।पी-3

# बिजली अधिकारी सीख रहे कार्बन व राखड़ उत्सर्जन के प्रभाव कम करने का तरीका

टीएफआरआई में कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथि। ● नईदुनिया

जबलपुर। नईदुनिया न्यूज

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान (टीएफआरआई) में सोमवार को मप्र पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के अधिकारियों ने कार्बन और राखड़ उत्सर्जन के प्रभाव कम करने का तरीका समझा। यह अवसर रहा टीएफआरआई में 'औद्योगिक पौधरोपण द्वारा कार्बन अवशोषण' पर 2 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का। मप्र पावर जनरेटिंग कंपनी की विभिन्न इकाईयों के अधिकारी इस प्रशिक्षण में शामिल रहे। इसमें बिजली अधिकारियों को वायुमंडल से अधिकतम कार्बन अवशोषण करने के लिए पौधरोपण और थर्मल पावर प्लांट के फ्लाईएश संग्रहण तालाबों से कोयले की राख के उत्सर्जन को नियंत्रित करने की जानकारी दी जाएगी।

**पौधे लगाकर कार्बन करें कम :** डॉ. जी राजेश्वर राव (एआरएस) निदेशक टीएफआरआई ने कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने राष्ट्रीय स्तर पर योगदान के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने थर्मल पावर स्टेशनों से बड़ी मात्रा में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन पर विस्तार से

## टीएफआरआई में प्रशिक्षण शिविर किया गया आयोजित

प्रकाश डाला।

**प्रशिक्षण जरूरी :** डॉ. अविनाश जैन, वैज्ञानिक और प्रशिक्षण समन्वयक ने बिजली की बढ़ती मांग और ऊर्जा क्षेत्र की भूमिका को लेकर मप्र पावर जनरेटिंग कंपनी के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण जरूरी बताया।

**स्वास्थ्य पर प्रभाव :** मुख्य अतिथि वायके शिल्पकार, मुख्य अभियंता मप्र पावर जनरेटिंग कंपनी ने ताप विद्युत केंद्रों द्वारा बिजली उत्पादन में कोयले की खपत, गुणवत्ता, मात्रा और मानव व पर्यावरणीय स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव बताए।

**यह रहे उपस्थित :** इस प्रशिक्षण शिविर में मप्र पावर जनरेटिंग कंपनी की जबलपुर, खंडवा, सारनी, नरसिंहपुर और चचाई इकाइयों के लगभग 20 इंजीनियर और अधिकारी भाग ले रहे हैं। इस दौरान टीएफआरआई के सी बेहरा (आईएफएस) समूह समन्वयक अनुसंधान, डॉ. फातिमा शिरीन, एम राजकुमार, धीरज गुप्ता उपस्थित रहे।

राज एक्सप्रेस | महानगर
मंगलवार, 1 अक्टूबर, 2019
www.rajexpress.co
7
जबलपुर

# पर्यावरण संरक्षण के लिए औद्योगिक पौधरोपण की आवश्यकता

## उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन

जबलपुर ■ राज न्यूज नेटवर्क

उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, टीएफआरआई में मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड अधिकारियों के लिए इंडस्ट्रियल प्लांटेशन बाय कॉर्बन अवशोषण विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन सोमवार को हुआ। प्रशिक्षण में विद्युत कम्पनियों की विभिन्न इकाइयों के अधिकारियों को वायुमंडल से अधिकतम कार्बन अवशोषण करने हेतु पौधरोपण अपशिष्ट नियंत्रण सहित थर्मल पावर प्लांट में बिजली उत्पादन के दौरान होने वाले पर्यावरण प्रदूषण के प्रभाव को कम करने में की जानकारी प्रदान की जा रही व पर्यावरण संरक्षण के लिए औद्योगिक पौधरोपण की आवश्यकता है बताया जा रहा है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत में टीएफआरआई निदेशक डॉ.जी. राजेश्वर राव ने उत्सर्जन में कमी के लिए भारत के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान के महत्व पर जोर दिया। वैज्ञानिक और प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. अविनाश जैन ने विद्युत क. अधिकारियों को ग्रीनहाउस गैसों के बढ़ते उत्सर्जन और ऊर्जा क्षेत्र के महत्वपूर्ण योगदान के वैश्विक परिदृश्य के बारे में जानकारी दी। मुख्य अतिथि मुख्य अभियंता वाय. के. शिल्पकार ने ऊर्जा खपत के राष्ट्रीय परिदृश्य के बारे में जानकारी दी। उन्होंने ताप विद्युत केंद्रो द्वारा बिजली के उत्पादन में कोयले की खपतए गुणवत्ता एवं मात्रा और मानव एवं पर्यावरणीय स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्युत क. जबलपुर, खंडवा, सारनी, बिरसिंहपुर और चचाई इकाइयों के लगभग 20 इंजीनियरो और अधिकारियों ने सहभागिता की। इस अवसर पर संस्थान के अन्य वैज्ञानिकों और अधिकारियों के साथ सी. बेहरा समूह समन्वयक अनुसंधान, डॉ. फातिमा शिरीन, एम. राजकुमार, धीरज गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

**कार्यालय नगर परिषद**
पृ.क्र./स्वा.शा.मि./2020/748 आम
एकल उपयोग (यूज एण्ड थ्रो)
आम जनता को सूचित किया जाता है कि प्लास्टि
अतः लोकहित एवं पर्यावरण को होने वाले नुक
में इस सूचना के प्रसारण के उपरांत यदि कोई
त्यौहारों/ सामाजिक समारोह/कार्यक्रमों आदि
उपयोग ,भंडारण, परिवहन, विक्रय , उत्पादन
विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही की जावेगी। साथ
स्पॉट फाईन जुर्माना किया जावेगा।
मुख्य नगरप

पत्रिका PLUS CITY LIVE
JABALPUR, TUESDAY 01/10/2019 14

# ग्रीन हाउस के उत्सर्जन के बारे में हुई बात

**जबलपुर** ♦ उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में औद्योगिक वृक्षारोपण द्वारा कार्बन अवशोषण पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें एमपी पावर जेनेरेटिंग कम्पनी के विभिन्न इकाइयों के पदाधिकारी उपस्थित थे। इसमें थर्मल पावर प्लांट्स, कोयले की राख के उत्सर्जन के बारे में बात कही गई। डॉ. जी राजेश्वर राव, एआरएस, निदेशक टीएफआरआई ने उद्योगों को जंगल के बाहर लगाए जाने की बात कही। मुख्य अतिथि वायके शिल्पकार थे। उन्होंने उर्जा खपत के बारे में जानकारी दी।